FACTSHEET

अस्वीकरण: इस तथ्य-पत्र का लक्ष्य केवल शिक्षा देना है। जबकि पूरी कोशिश की गई है कि अंग्रेज़ी से किया गया अनुवाद सही है, भाषा का अनुवाद करना बहुत ही पेचीदा काम है, इसलिए हो सकता है कि अलग-अलग अनुवादों में त्रुटियाँ हों। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह जानकारी आपके बच्चे के लिए सही है, कृपया अपने डॉक्टर या अन्य स्वास्थ्य व्यवसायी से बातचीत करें।

नवजात शिशुओं में पीलिया (Jaundice)

Jaundice in newborn babies

पीलिया होने पर में त्वचा व आँखों के सफ़ेद हिस्से में पीलापन आ जाता है। दिखने वाला पीलिया सभी सामान्य नवजात शिशुओं में से आधों में होता है। आमतौर पर इससे कोई समस्या नहीं होती है और जन्म के बाद के पहले सप्ताह के अंत तक हल्का हो जाता है। यदि जन्म के 24 घंटे के अंदर पीलिया होता है या 2 सप्ताह के बाद भी ठीक नहीं होता तो अपने डॉक्टर या स्थानीय अस्पताल से संपर्क करें।

पीला रंग किस कारण से होता है?

What causes the yellow colour?

मानव शरीर में नया रक्त हर समय बनता रहता है और पुराने रक्त को नष्ट कर दिया जाता है। इन नष्ट कर दी गई लाल रक्त की कोशिकाओँ के एक उत्पाद को बिलिरुबिन (bilirubin) कहते हैं। आमतौर पर बिलिरुबिन संसाधित होने के लिए [(इसे संयोजन (conjugation) कहते हैं] यकृत (लिवर) में जाता है और फिर मल के साथ शरीर से निकल जाता है। जन्म के बाद के कुछ दिनों में आपके बच्चे का यकृत इतनी अच्छी तरह से काम नहीं करता जितना कि बाद में करता है, इसलिए रक्त में बिलिरुबिन जमा हो जाता है। इससे त्वचा व आँखों के सफ़ेद हिस्से में पीलापन आ जाता है।

क्या पीलिया हानिकारक होता है ?

Is jaundice harmful?

अधिककाँश शिशुओं के लिए पीलिया हानिकारक नहीं होता है। रक्त में बहुत अधिक मात्रा में असंसाधित (unconjugated) बिलिरुबिन होने से सुनने में समस्याएँ व दिमाग़ में क्षति हो सकती है। अस्पताल में, यह सुनिश्चित करने के लिए कि बिलिरुबिन की मात्रा बहुत अधिक न हो जाए, ध्यान रखा जाता है। कभी-कभी जब मात्रा बहुत अधिक हो जाती है तो बच्चों को इलाज की आवश्यकता होती है। ऐसी स्थिति में किए जाने वाले आम इलाज में, बच्चे को विशेष रोशनी (इसे फ़ोटोथैरपी कहते हैं) के नीचे रखा जाता है।

लम्बे समय तक चलने वाला पीलिया **यकृत की बीमारी** के कारण भी हो सकता है। इस लिए यह आवश्यक है कि यदि पीलिया लम्बे समय तक चलता है (2 सप्ताह से अधिक) तो अपने स्थानीय डॉक्टर से संपर्क करें। यकृत की बीमारी का एक लक्षण होता है, आपके बच्चे का पाखाना गाढ़ा पीला, हरा या भूरे रंग के बजाय बहुत ही **फीके रंग** का होता है। यह जानने के लिए कि यकृत की समस्या है या नहीं सबसे अच्छा तरीका है, बिलिरुबिन की मात्रा **(दोनों कुल व संयोजित अंश)** की जाँच करने के लिए रक्त का टेस्ट करवाना।

जो पीलिया यकृत की बीमारी से होता है, उसमें यह अत्यावश्क है कि तुरंत जाँच की जाए जिससे उचित इलाज शुरू किया जा सके।

किन बच्चों को पीलिया होने की संभावना अधिक है?

Which babies are more likely to have jaundice?

जिन बच्चों को पीलिया होने की संभावना अधिक है उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- समय से पहले होने वाले बच्चे
- वे बच्चे जिन्हें कोई संक्रमण होता है, जैसे कि पेशाब करने के मार्ग में संक्रमण।
- रीसस या आरएच (Rhesus या Rh) बच्चे। जिस बच्चे का रक्त समूह अपनी माँ से भिन्न होता है उसकी रक्त कोशिकाएँ जल्दी नष्ट हो सकती हैं, जिससे पीलिया हो जाता है।

NSW KIDS + FAMILIES

the children's hospital at Westmead
The Sydney children's Hospitals Network

SYDNEY CHILDREN'S HOSPITAL RANDWICK
The Sydney children's Hospitals Network

Kaleidoscope
CHILDREN, YOUNG PEOPLE AND FAMILIES

This document was last reviewed on 15 May 2015.

©The Children's Hospital at Westmead, Sydney Children's Hospital, Randwick and Kaleidoscope Children, Young People and Families

जिन **बच्चों को स्तनपान** करवाया जाता है उनको भी लम्बे समय तक के लिए पीलिया हो सकता है, 4 सप्ताह तक या ज़्यादा। इसके कारण पूरी तरह से मालूम नहीं हैं। पर यह "बहिष्कार द्वारा रोग की पहचान" है और एकदम यह नहीं मान लेना चाहिए कि स्तन का दूध ही बच्चे के लम्बे पीलिये का कारण है।

जिन बच्चों को यकृत रोग होता है। वैसे तो, प्रारम्भिक चरणों में ये बच्चे स्वस्थ दिख सकते हैं। यह बहुत आवश्यक है कि बच्चे के पाखाने के रंग को देखा जाए। यदि वह फ़ीके रंग का है तो बच्चे के रक्त का टेस्ट होना चाहिए यह जाँच करने के लिए कि संसाधित (समयोजित) बिलिरुबिन की मात्रा अधिक है या नहीं। यदि यह अधिक है तो बच्चे को जल्द से जल्द विशेषज्ञ डॉक्टर, जिसे बच्चों का इलाज करने वाला आँतों का विशेषज्ञ (paediatric gastroenterologist) कहते हैं, के पास भेजना चाहिए। बच्चों में सबसे आम यकृत की बीमारी होती है जिससे पीलिया होता है, बीमारी की इस स्थिति को **बीलिआरी अट्रेशिया (Biliary Atresia)** कहते हैं।

यह नापना कि बच्चे को कितनी मात्रा में पीलिया है

Measuring how much jaundice the baby has

रक्त का टेस्ट बिलिरुबिन की मात्रा की जाँच करता है। कुछ अस्पतालों में एक उपकरण का उपयोग करते हैं जो स्क्रीनिंग टेस्ट की तरह आपके बच्चे की त्वचा पर रखा जाता है, यह निर्णय लेने के लिए कि ख़ून की जाँच की आवश्यकता है या नहीं।
यह निर्णय लेने के लिए कि पीलिया यकृत रोग के कारण है, रक्त की जाँच करवाने की ज़रूरत होती है। इसमें यकृत के काम करने के टेस्ट का नाप तथा बिलिरुबिन के दोनों **कुल** व **समयोजित** अंश के नाप की आवश्यकता है।

टिप्पणी: हो सकता है कई लैब केवल कुल बिलिरुबिन की मात्रा की जाँच करेंगी जब तक कि डॉक्टर उनसे विशेष रूप से समयोजित अंश का निवेदन न करे।

अस्पताल का स्टाफ़ रक्त का टेस्ट करेगा यदि:

- ख़तरे के कारण मौजूद हैं, जैसे कि समय से पहले जन्म होना।
- पैदा होने के पहले दिन ही में पीलिये का होना।
- पीलिया शरीर में सब जगह फैला हुआ है
- दो सप्ताह से भी ज़्यादा समय के लिए पीलिया होना

इलाज

Treatment

पहले सप्ताह में हल्के पीलिये के लिए इलाज की ज़रूरत नहीं है सिवाय तरल पदार्थों के। नवजात बच्चों को तरल पदार्थों की अधिक मात्रा की आवश्यकता होती है, क्योंकि पानी की कमी से पीलिया अक्सर बहुत बढ़ जाता है।

मध्यम श्रेणी के पीलिये का इलाज है बच्चे को तेज़ प्रकाश या नीले से रंग की रोशनी के नीचे नंगा लिटाना (आँखों पर बचाव के लिए आवरण रखना चाहिए)। इसे **फ़ोटोथैरपी** कहते हैं और इसे कई तरीकों से सुरक्षित रूप से किया जा सकता है। फ़ोटोथैरपी रोशनी त्वचा में बिलिरुबिन को तोड़ देती है और पीलिये को कम कर देती है। इस रोशनी के इलाज से आपके बच्चे को पतला पाखाना आ सकता है। इससे निपटने के लिए आपके बच्चे को अधिक तरल पदार्थ देने होंगे। बिना निगरानी के सीधे सूरज की रोशनी में लिटाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि इससे नुक़सान हो सकता है और त्वचा जल सकती है।

बहुत गम्भीर पीलिया होने पर आपके बच्चे को विशेष रक्त-आधान (transfusion) करवाना पड़ेगा, जिससे आपके बच्चे का रक्त ताज़े रक्त से बदल दिया जाता है और बिलिरुबिन शरीर से निकाल दिया जाता है।

यदि यकृत रोग का प्रमाण है (फीके रंग का पाखाना, गाढ़े रंग का पेशाब, समायोजित बिलिरुबिन की अधिक मात्रा, यकृत के काम करने की जाँच के परिणाम असामान्य होना) तो तुरंत बच्चों का इलाज करने वाले आँतों के विशेषज्ञ (paediatric gastroenterologist) के पास भेजना ज़रूरी है।

क्या पीलिये से दीर्घकालिक समस्याएँ होती हैं?

Are there any long-term problems from jaundice?

आमतौर पर बच्चों में पीलिये से दीर्घकालिक समस्याएँ नहीं होती हैं। जिन बच्चों को उच्च स्तर का पीलिया हुआ है उनके सुनने की शक्ति की नियमित रूप से जाँच करवानी चाहिए। इसके लिए अपने डॉक्टर या प्रारम्भिक बालल्यावस्था नर्स से बात करनी चाहिए। उच्च स्तर के पीलिये के कारण दिमाग़ में खराबी बहुत ही कम होती है क्योंकि अब जन्म के बाद के कुछ दिनों में अस्पताल में या जल्द छुट्टी देने के कार्यक्रम के अंतर्गत घर पर पीलिये के स्तर की बहुत ध्यान से निगरानी की जाती है।

याद रखें

- •यदि पीलिया 2 सप्ताह के बाद भी बना रहता है तो अपने डॉक्टर या स्थानीय अस्पताल से संपर्क करें।
- •हालाँकि स्तन का दूध लम्बे समय के पीलिये का आम कारण है पर आपके डॉक्टर या अस्पताल को याद रखना चाहिए कि अन्य कारणों पर भी ध्यान दें, जैसे कि यकृत का रोग।
- •फ़ीके रंग का पाखाना, गाढ़े रंग का पेशाब आना, यकृत रोग के लक्षण हो सकते हैं। इस स्थिति में रक्त की जाँच करवाना आवश्यक है जिससे कुल व समायोजित बिलिरुबिन की मात्रा जाँची जा सके व यकृत के काम करने के टेस्ट जाँचे जा सके।

©The Children's Hospital at Westmead, Sydney Children's Hospital, Randwick and Kaleidoscope Children, Young People and Families